15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस पर भाषण शायरी

PDF By: RojgarMetro.Com

काले गोरे का भेद नहीं,
इस दिल से हमारा नाता है,
कुछ और न आता हो हमको,
हमें प्यार निभाना आता है।

सुन्दर है जग में सबसे, नाम भी न्यारा है
जहां जाति-भाषा से बढ़कर, देश-प्रेम की धारा है
जहां हर जुबां पर सर्वधर्म समभाव और जय हिंद का नारा है
निश्छल, पावन, प्रेम पुराना, वो भारत देश हमारा है !

न सिर झुका है कभी
और न झुकने देंगे कभी,
जो अपने दम पर जिएं
सच में जिंदगी है वही
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

PDF By: RojgarMetro.Com

चलो फिर से वो नजारा याद कर लें
शहीदों के दिल में थी जो ज्वाला वो याद कर लें
जिसमें बहकर आजादी पहुंची थी किनारे पर
बलिदानियों के खून की वो धारा याद कर लें!

जहा इंसानियत को पहला दर्जा दिया जाता है
वही मेरा देश हिंदुस्तान है।
स्वतंत्रता दिवस की बधाई!

क्या हिन्दू, क्या मुस्लिम, क्या सिख और क्या ईसाई,
आओ मिलकर आजादी का पर्व मनाएं,
क्योंकि, हम सब हैं भाई-भाई।

मैंने ढूंढा बहुत वो जहां ना मिला,
मेरे वतन जैसी ना जमीं,
ना कोई आसमां मिला!
Happy Independence Day !

PDF By: RojgarMetro.Com

नजारे नजर से ये कहने लगे,
नयन से बड़ी कोई चीज नहीं,
तभी मेरे दिल ने ये आवाज दी,
वतन से बड़ी कोई चीज नहीं।

ना जियो धर्म के नाम पर,
ना मरो धर्म के नाम पर,
इंसानियत ही है धर्म वतन का,
बस जियो वतन के नाम पर।

सीने में जुनून और आंखों में देशभक्ति की चमक रखता हूं,
दुश्मन की सांसे थम जाए आवाज में इतनी धमक रखता हूं।

तिरंगा देश की शान है, हर भारतीय का स्वाभिमान है।
यही है गंगा, यही है हिमालय, यही हिन्द का ज्ञान है।
तीन रंगों में रंगा हुआ ये अपना हिंदुस्तान है।

PDF By: RojgarMetro.Com

काश मेरी जिंदगी मे सरहद की कोइ शाम आए
मेरी जिंदगी मेरे वतन के काम आए
ना खौफ है मौत का ना आरजु है जन्नत की
लेकीन जब कभी जीक्र हो शहीदो का
काश मेरा भी नाम आए। काश मेरा भी नाम आए।

दिल से निकलेगी न मर कर भी वतन की उल्फ़त
मेरी मिट्टी से भी ख़ुशबू-ए-वफ़ा आएगी

लहू वतन के शहीदों का रंग लाया है
उछल रहा है ज़माने में नाम-ए-आज़ादी

इसी जगह इसी दिन तो हुआ था ये एलान
अंधेरे हार गए ज़िंदाबाद हिन्दोस्तान

नाक़ूस से ग़रज़ है न मतलब अज़ां से है
मुझ को अगर है इश्क़ तो हिन्दोस्तां से है

ख़ूं शहीदान-ए-वतन का रंग ला कर ही रहा
आज ये जन्नत-निशां हिन्दोस्तां आज़ाद है

PDF By: RojgarMetro.Com